

आईपीएल 2026 में खेलते
दिखेंगे महेंद्र सिंह धोनी

Page-04

ईशा मालवीय की पहली
फिल्म 'इश्कां दे लेखे'
ट्रेलर रिलीज

Page-05

दिल्ली पुलिस ने एआई इम्पैक्ट
समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन
के आरोपियों को गिरफ्तार

दिल्ली, टीवी भारतवर्ष

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए "शर्टलेस" विरोध प्रदर्शन के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के ग्वालियर जिला अध्यक्ष राजा गुर्जर और भिंड के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार विमल को गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक कुल सात गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह ग्वालियर से जितेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया, जो भारत मंडपम में आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल था। इससे पहले, पटियाला हाउस कोर्ट ने चार अन्य नेताओं—कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव—को गिरफ्तार कर पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अधिकारियों ने नेता कृष्णा हरि की कार से युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में इस्तेमाल की गई टी-शर्ट और पोस्टर बरामद किए। एक अन्य युवा कांग्रेसी प्रदर्शनकारी को भी हिरासत में लिया गया है और शेष आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

विजय ने जनता से खून-
मांस का रिश्ता बताया

तमिलनाडु के तमिलगाम वेट्टी कज़गम (टीवीके) प्रमुख विजय ने सोमवार को वेल्लोर में आयोजित जनसभा में कहा कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव सभी पार्टियों के उनके खिलाफ एकजुट होने वाले चुनाव हैं। उन्होंने अपने और तमिलनाडु के लोगों के रिश्ते को "खून-मांस" का बताया और कहा कि यह चुनाव 50 साल में एक बार आने वाला विशेष अवसर है। विजय ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव राज्य के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग है। उन्होंने सवाल उठाया कि राजनीति में आने से पहले और बाद में नेताओं की संपत्ति में कितना बदलाव आया, और इसे जनता के सामने स्पष्ट होना चाहिए। उनका कहना था, "अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह जनता का अपमान करने जैसा है। जनता और मैं खून-मांस से जुड़े हैं।" विजय ने राज्य में शासन संबंधी मुद्दों पर भी जोर दिया।

7 आतंकियों की खतरनाक गिरोह खत्म

जम्मू-कश्मीर में सेना की बड़ी जीत

- जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 326 दिनों तक चले ऑपरेशन त्राशी-1 के तहत भारतीय सेना ने 7 आतंकियों को मार गिराया, जिसमें पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद का मोस्ट वांटेड कमांडर सैफुल्ला भी शामिल था।
-
- कठिन पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में जवानों ने आतंकियों का लगातार पीछा किया; मुठभेड़ के दौरान सैफुल्ला और उसके साथियों का छिपा घर आग में जल गया।
-



जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। करीब एक साल यानी 326 दिनों तक चले लगातार अभियान के बाद सेना ने 7 खूंखार आतंकियों को मार गिराया। यह जानकारी सोमवार को व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए बयान में सामने आई। इस मिशन को 'ऑपरेशन

संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के मोस्ट वांटेड कमांडर सैफुल्ला को मार गिराने में हासिल हुई। सेना के अनुसार सैफुल्ला पांच साल पहले भारत में घुसपैठ करके कई बड़े हमलों का मास्टरमाइंड बन चुका था। जुलाई 2024 में हुए एक हमले में उसके कारण हमारे चार जवान शहीद हुए थे।

पश्चिम बंगाल पर पीएम मोदी का पत्र,

ममता सरकार पर असहयोग का आरोप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता को संबोधित एक पत्र में राज्य के भविष्य को लेकर बड़ा संदेश दिया है। "जय माँ काली" से पत्र की शुरुआत करते हुए उन्होंने लिखा कि आने वाले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल की किस्मत का फैसला होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य और राज्य की दिशा जनता के सोच-समझकर लिए गए निर्णय पर निर्भर करेगी। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि 'सोনার बांग्ला' का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला आज पीड़ा में है और उनकी तकलीफ उन्हें व्यक्तिगत रूप से व्यथित करती है। उन्होंने पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध राज्य बनाने का संकल्प दोहराया और कहा कि केंद्र सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। पत्र में उन्होंने पिछले 11 वर्षों में एनडीए सरकार की उपलब्धियों

का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसानों की भलाई, युवाओं के सपनों को साकार करने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चलाई गई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम देशभर में दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने राज्य की मुख्यमंत्री



ममता बनर्जी की सरकार पर "अत्यधिक असहयोग" का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके बावजूद केंद्र की योजनाओं का

लाभ पश्चिम बंगाल के लोगों तक पहुंचा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं और स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बनाए गए हैं। छोटे व्यापारियों को 2.82

लाख करोड़ का ऋण दिया गया है, जबकि अटल पेंशन योजना के तहत 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए हैं।

डीएमके के युवा कार्यक्रम से उठा विवाद, भाजपा ने कहा- मर्यादा रखें

तमिलनाडु, टीवी भारतवर्ष

तमिलनाडु की सियासत में बयानबाज़ी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता नारायण तिरुपति ने सोमवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता ने एएनआई से बातचीत में कहा कि इतने उच्च पद पर बैठे व्यक्ति को परिपक्वता और जिम्मेदारी के साथ बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की



टिप्पणियों से कोई राजनीतिक लाभ नहीं होगा, बल्कि यह डीएमके की सोच और स्तर को दर्शाता है। तिरुपति ने कहा कि प्रधानमंत्री जैसे पद के बारे में इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल करना उचित

नहीं है और इससे उपमुख्यमंत्री की अपरिपक्वता झलकती है। दरअसल, रविवार को कोयंबटूर में डीएमके युवा विंग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उदयनिधि स्टालिन ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि डीएमके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं डरती, "चाहे प्रधानमंत्री के पिता भी आ जाएं।" उन्होंने चुनाव को तमिलनाडु और दिल्ली के बीच की लड़ाई करार दिया। अपने भाषण में उदयनिधि ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी

पंजाब विधानसभा का बजट सत्र

6 से 16 मार्च तक, मुख्यमंत्री
8 मार्च को पेश करेंगे बजट

पंजाब, टीवी भारतवर्ष

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को घोषणा की कि राज्य विधानसभा का बजट सत्र 6 मार्च से 16 मार्च तक चलेगा। 2026-27 का बजट 8 मार्च को पेश किया जाएगा, जिसे वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा विधानसभा में प्रस्तुत करेंगे। चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि यदि आवश्यक हुआ, तो बजट सत्र को कार्यसलाहकार समिति (बीएसी) के निर्णय के आधार पर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, "अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद को रविवार को चला सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? 8 मार्च सिर्फ रविवार नहीं है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी है।" बजट के साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की नई योजना 'मेरी रसोई' की भी घोषणा की। इस योजना के तहत 40 लाख परिवारों को खाद्य किट वितरित की जाएगी। खाद्य किट में गेहूं के साथ दो किलोग्राम दाल, दो किलोग्राम चीनी, एक किलोग्राम आयोडीन युक्त नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर और एक लीटर तेल शामिल होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गेहूं की आपूर्ति पहले की तरह जारी रहेगी और गुणवत्ता में सुधार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लगातार आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण दोनों पर ध्यान दे रही है।

हरियाणा में 590 करोड़ की गड़बड़ी

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से पैसा सुरक्षित, सीएम ने दीया भरोसा

हरियाणा, टीवी भारतवर्ष

हरियाणा में सरकारी खातों से जुड़ी 590 करोड़ रुपये की संदिग्ध वित्तीय गड़बड़ी के मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। इस प्रकरण में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का नाम सामने आने के बाद मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी ने विधानसभा में बयान देते हुए आश्वासन दिया कि सरकार का पैसा पूरी तरह सुरक्षित है और उसे ब्याज सहित वापस लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही खातों के मिलान में गड़बड़ी सामने आई, सरकार ने तुरंत सक्रिय कदम उठाए। संबंधित विभागों से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन जब जवाब संतोषजनक नहीं मिले और आंकड़ों में मेल नहीं बैठा, तो सरकार ने पूरा धन अधिकृत बैंक में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। उन्होंने स्पष्ट

कहा कि "पैसा पूरी तरह सुरक्षित है और निश्चित



रूप से वापस आएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।" सैनी ने बताया कि मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और सतर्कता विभाग को सौंप दी गई है। जांच प्रक्रिया जारी है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ

कानून के तहत कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जांच में बैंक की भूमिका या लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह मामला हाल ही में सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आया था, जिसके बाद सरकार ने जमीनी स्तर तक तथ्यों की जांच कराई। उन्होंने सदन को भरोसा दिलाया कि अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही साझा किए जाएंगे, लेकिन जनता के पैसे की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस बीच, हरियाणा के वित्त विभाग (संस्थागत वित्त एवं ऋण नियंत्रण) ने कड़ा कदम उठाते हुए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को तत्काल प्रभाव से सरकारी कामकाज से हटा दिया है। विभाग ने सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों और

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निर्देश जारी किए हैं कि वे इन बैंकों में जमा अपनी धनराशि अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें और संबंधित खातों को अगले आदेश तक बंद कर दें। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सामने आई जानकारी के अनुसार, खातों के मिलान के दौरान लगभग 590 करोड़ रुपये की संदिग्ध राशि पाई गई थी। मामले के सार्वजनिक होने के बाद शेर बजावर में भी असर देखने को मिला और निवेशकों में चिंता बढ़ी। सरकार का कहना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर निगरानी की जा रही है। अब सभी की नजर जांच एजेंसियों की रिपोर्ट पर टिकी है, जो इस पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर साफ करेगी।



ईरान और अमेरिका के बीच न्यूक्लियर डील पर जिनेवा में अगले दौर की बातचीत

ईरान और अमेरिका 26 फरवरी को जिनेवा में न्यूक्लियर डील पर बातचीत फिर से शुरू करेंगे। ओमान मध्यस्थता कर रहा है। अमेरिका की सैन्य मौजूदगी बढ़ी है, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। देश में प्रदर्शन जारी हैं। वार्ता क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक स्थिरता के लिए अहम मानी जा रही है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान और अमेरिका के बीच संभावित न्यूक्लियर डील पर अगले दौर की बातचीत गुरुवार, 26 फरवरी को जिनेवा में आयोजित होगी। यह पुष्टि ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल बुसैदी ने की, जो अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं। इस बीच मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के कारण दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक तनाव बढ़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ईरान को न्यूक्लियर डील के लिए सहमत होने के लिए 10-15 दिन का अल्टीमेटम दिया था और चेतावनी दी थी कि ऐसा न करने पर ईरान के लिए गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। इस अल्टीमेटम के बाद जिनेवा में फिर से बातचीत शुरू होने की खबर को क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से देखा जा रहा है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल बुसैदी ने कहा कि ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर



बातचीत में दोनों पक्षों के प्रतिनिधि गुरुवार को जिनेवा में एक बार फिर से आमने-सामने चर्चा करेंगे। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब क्षेत्रीय स्थिति बेहद संवेदनशील है और अमेरिका की बढ़ती सैन्य उपस्थिति तनाव को और बढ़ा रही है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना ने अपनी ताकत बढ़ा दी है। वर्तमान में क्षेत्र में 13 युद्धपोत तैनात हैं, जिनमें एयरक्राफ्ट कैरियर USS अब्राहम लिंकन, नौ डिस्ट्रॉयर और तीन फ्रिगेट शामिल हैं। अमेरिकी नौसैनिक बल की यह मौजूदगी ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखी जा रही है। ईरान ने अमेरिका द्वारा किसी भी सैन्य कार्रवाई की स्थिति में जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। हालांकि ईरान ने न्यूक्लियर बातचीत से जल्दी कोई डिप्लोमैटिक हल की उम्मीद व्यक्त नहीं की, लेकिन

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ किया कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो देश सख्त प्रतिक्रिया देगा। इसके साथ ही ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिन ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर बातचीत के बीच वैश्विक शक्तियों के दबाव के आगे झुकेंगे नहीं। इसी बीच, ईरान के भीतर भी राजनीतिक असंतोष बढ़ता जा रहा है। विशेषकर तेहरान और मशहद में, सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ नए विरोध प्रदर्शन सामने आए हैं। रविवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे, जो कि सरकार के नीतियों और आर्थिक हालात के प्रति जनता की नाराजगी को दर्शाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली यह बातचीत न केवल दो देशों के बीच तनाव को कम करने की

दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि मिडिल ईस्ट की स्थिरता पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। यदि वार्ता सफल रही तो यह क्षेत्र में संभावित सैन्य संघर्ष की आशंका को कम कर सकती है, वहीं किसी विफलता की स्थिति में तनाव और बढ़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले दौर की बातचीत में कई जटिल मसले उभरकर आए थे, जिनमें ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम की निगरानी और प्रतिबंधों में ढील के मुद्दे शामिल थे। आगामी गुरुवार की बैठक में इन सभी मुद्दों पर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठक की निगरानी अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी कर रहा है, क्योंकि यह न केवल अमेरिका और ईरान के बीच संबंधों को प्रभावित कर सकती है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर भी असर डाल सकती है।

शरद पवार की मेहत बिगड़ी



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शरद पवार, जो नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख हैं, को रविवार को हल्के डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और उन्हें इंटरवीनस फ्लूइड दिया जा रहा है। रूबी हॉल क्लिनिक के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. परवेज ग्रांट ने बयान जारी कर बताया कि पवार को हल्के डिहाइड्रेशन के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता की हालत स्थिर है और उन्हें एहतियातन दो दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा। उम्मीद है कि इसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। उनके इलाज की देखरेख डॉ. ग्रांट के साथ कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अभिजीत लोढ़ा कर रहे हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 9 फरवरी को भी पवार को सीने में संक्रमण, खांसी और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत के बाद इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 14 फरवरी को उनकी स्थिति में सुधार होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, इस बार भी मेडिकल टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यक जांच की जा रही है। 85 वर्षीय वरिष्ठ नेता को लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता रहा है। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें ओरल कैंसर का पता चला था, जिसके उपचार के लिए अमेरिका और भारत में उनकी कई सर्जरी हुई थीं। इसके बावजूद वे सक्रिय सार्वजनिक जीवन में बने रहे हैं। पवार की तबीयत बिगड़ने से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है।

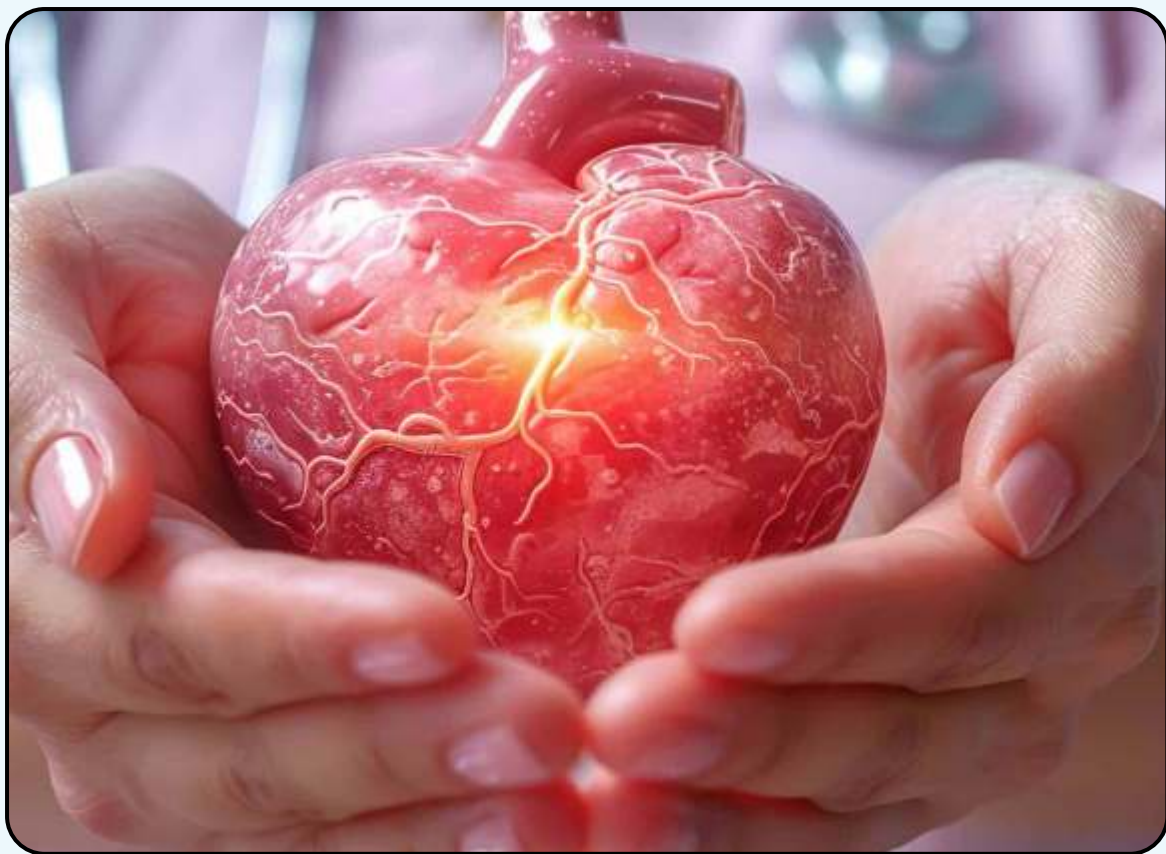
दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान समर्थक 8 जासूस पकड़े देश में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

हिंदुस्तान में पाकिस्तान के लिए काम कर रहे बांग्लादेशी जासूसों की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस ने नाकाम कर दिया है। मुनीर नामक संदिग्ध के नेतृत्व में काम कर रहे आठ जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से छह को तमिलनाडु और दो को पश्चिम बंगाल से पकड़ा गया। जांच में पता चला कि पकड़े गए सभी संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक हैं और उन्होंने फर्जी आधार कार्ड बनाकर तमिलनाडु की एक गारमेट कंपनी में नौकरी हासिल की थी। हालांकि, उनका असली काम सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट से पाकिस्तान और आतंकी संगठनों के समर्थन में पोस्ट करना था। ये लोग सोशल मीडिया पर आसिम मुनीर की वाहवाही करते, आतंकियों के समर्थन में पोस्ट करते और हिंदुस्तान के खिलाफ भड़काऊ सामग्री फैलाते थे। पोस्ट पर कमेंट करने वाले लोगों को अपने आतंकी नेटवर्क में शामिल करने की कोशिश भी करते थे। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के निर्देशन में ये जासूस देश में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहे थे। उनका उद्देश्य देश में दंगे भड़काना और आम लोगों की भावनाओं को भड़का कर हिंसा फैलाना था। दिल्ली पुलिस और तमिलनाडु पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के बाद यह साजिश समय रहते नाकाम कर दी गई। गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध विदेशी



नागरिक थे, जो फॉरेन टेररिस्ट नेटवर्क के निर्देशों के तहत काम कर रहे थे। अगर समय पर कार्रवाई नहीं होती, तो ये जासूस भारत में बड़े स्तर पर आतंक फैलाने में सक्षम होते। पुलिस ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी ने न केवल संभावित आतंकवादी हमले को रोका है, बल्कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मदद की है। इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है। यह मामला साफ दिखाता है कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर आतंक फैलाने की कोशिशों पर कड़ी निगरानी और समय पर कार्रवाई आवश्यक है।



ऑर्गन डोनेशन का नया कीर्तिमान 1200 परिवारों की हिम्मत ने तोड़ा रिकॉर्ड, बच रही जिंदगियां

तेजस पर रोक

तकनीकी खामियों ने बढ़ाई IAF की चिंता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय वायुसेना (IAF) ने एक और तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अपने पूरे बेड़े को ग्राउंड कर दिया है। यह घटना इस महीने की शुरुआत में हुई दुर्घटना के बाद आई, जिसने वायुसेना और रक्षा विशेषज्ञों में गंभीर चिंता पैदा कर दी है। सुरक्षा और जांच के मद्देनजर लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट्स को तत्काल तकनीकी निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना एक प्रमुख एयरबेस पर तब हुई जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान (Sortie) पूरी करने के बाद लैंडिंग कर रहा था। शुरुआती जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, जो संभवतः ऑनबोर्ड सिस्टम की विफलता से जुड़ी हो सकती है। हादसे में विमान का एयरफ्रेम गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है और इसे “रिटन-ऑफ” (कबाड़) घोषित किया जा सकता है। पायलट समय रहते इजेक्ट करने में सफल रहा और सुरक्षित है। IAF सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के बाद पूरे तेजस फ्लीट की उड़ान पर रोक लगाई गई है ताकि हर विमान की गहन तकनीकी जांच की जा सके। यह कदम सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित तकनीकी खामियों का पता लगाने के लिए उठाया गया है। यह तेजस एयरक्राफ्ट की IAF में शामिल होने के बाद तीसरी दुर्घटना है। पहला क्रैश



मार्च 2024 में जैसलमेर के पास हुआ था, जब जेट एक फायरपावर डेमॉन्स्ट्रेशन से लौट रहा था। उस समय पायलट सुरक्षित रहे। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान हुआ, जिसमें एरोबैटिक प्रदर्शन के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और पायलट की मृत्यु हो गई। उस दुर्घटना की जांच अभी भी जारी है। तेजस एयरक्राफ्ट के लगातार दुर्घटनाग्रस्त होने से वायुसेना के ऑपरेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अस्थायी व्यवधान आ सकता है। साथ ही, इस तरह की घटनाएं विमान की तकनीकी विश्वसनीयता और रखरखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा को भी मजबूर कर रही हैं। IAF ने यह स्पष्ट किया है कि पायलट और कर्मियों की सुरक्षा प्राथमिकता है और बेड़े को ग्राउंड करना इसी दिशा में उठाया गया एक जरूरी कदम है।

किम जोंग उन का दोबारा सत्ता पर कब्ज़ा

उत्तर कोरिया में परमाणु एजेंडे को और मिलेगी धार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ वर्क्स पार्टी ऑफ कोरिया के महासचिव पद पर किम जोंग उन को एक बार फिर निर्विरोध चुन लिया गया है। सोमवार को सरकारी मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (KCNA) ने घोषणा की कि हजारों प्रतिनिधियों ने “एकमत” से किम के नाम पर मुहर लगाई। यह चयन औपचारिक प्रक्रिया भर नहीं माना जा रहा, बल्कि किम के परमाणु शस्त्रागार और उनकी सैन्य नीतियों के प्रति पार्टी के समर्थन का संकेत भी है। गौरतलब है कि पिछले वर्षों के लिए अपने राजनीतिक और सैन्य लक्ष्यों की रूपरेखा पेश कर सकते हैं। संकेत है कि वह परमाणु कार्यक्रम को और तेज करने पर जोर देंगे। उत्तर कोरिया के पास पहले से ऐसी मिसाइलें मौजूद हैं, जो एशिया में अमेरिकी सहयोगियों के साथ-साथ अमेरिकी मुख्य भूमि तक को निशाना बनाने में सक्षम बताई जाती हैं। विश्लेषकों का मानना है कि किम पारंपरिक सैन्य बलों को और



सशक्त बनाने तथा उन्हें परमाणु क्षमताओं के साथ एकीकृत करने की नई रणनीति पेश कर सकते हैं। साथ ही चीन के साथ व्यापार में संभावित सुधार और रूस को हथियार निर्यात से मिली आर्थिक मजबूती के बीच “आत्मनिर्भरता” अभियान पर भी दोबारा जोर दिया जा सकता है। वर्ष 2016 से हर पांच वर्ष में आयोजित होने वाली इस कांग्रेस में शीर्ष नेतृत्व का चयन किया जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान

है कि किम दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कड़े रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया का अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ कूटनीतिक संवाद लगभग ठप है। 2024 में दक्षिण कोरिया को “स्थायी युश्मन” घोषित करने के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है।



संपादक की कलम से

बांग्लादेश में चुनाव हर बार देश की राजनीतिक दिशा और लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का आईना साबित होते हैं। आगामी चुनाव भी कोई अपवाद नहीं है। इस बार की लड़ाई केवल सत्ता पर कब्जा करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों, सार्वजनिक भरोसे और विकास की दिशा को तय करने की है। पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश ने आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में कई प्रगति की है। लेकिन राजनीतिक अस्थिरता, विभाजन और विरोधी दलों के बीच टकराव ने अक्सर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को चुनौती दी है। ऐसे में चुनाव केवल मतदाताओं के अधिकार का उपयोग नहीं, बल्कि उनके कर्तव्य और जिम्मेदारी का परीक्षण भी है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा मूल्य यह है कि जनता अपनी आवाज़ के माध्यम से शासन का मार्गदर्शन करती है। इसलिए, हर नागरिक को अपने मत का प्रयोग सौच-समझकर करना चाहिए। चुनाव केवल मतदान तक सीमित नहीं होना चाहिए; यह उम्मीदवारों की योग्यता, उनके एजेंडा, विकास योजनाओं और न्यायप्रियता का मूल्यांकन करने का अवसर भी है। इस चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। हिंसा, भय और धमकियों से लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। साथ ही, मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही को बनाए रखने में सहायक होते हैं। बांग्लादेश का भविष्य उसकी जनता के हाथों में है। यह चुनाव न केवल सरकार बदलने का अवसर है, बल्कि यह तय करने का भी समय है कि लोकतंत्र के मूल्यों, विकास और सामाजिक न्याय को किस दिशा में ले जाना है। इसलिए, हर नागरिक को मतदान में भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोकतंत्र की यह प्रक्रिया सही मायनों में सफल और पारदर्शी हो। चुनाव का परिणाम केवल राजनीतिक दलों का नहीं, बल्कि पूरी राष्ट्र की दिशा तय करेगा।

तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर माओवादी कमांडर 'देवजी' का आत्मसमर्पण

दशकों पुराने नक्सली आंदोलन की रीढ़ टूटी, सुरक्षा बलों की जीत!

तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा से सीपीआई माओवादी के दो वरिष्ठ नेता, टिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी और मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम ने आत्मसमर्पण किया। यह कदम दशकों पुराने माओवादी आंदोलन की रीढ़ तोड़ने वाला साबित हुआ। सुरक्षा अभियान, खुफिया समन्वय और पुनर्वास नीति के कारण संगठन तेजी से कमजोर हुआ है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सीमा से एक बड़ी खबर आई है, जिसने दशकों पुराने माओवादी आंदोलन को झकझोर कर रख दिया है। प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के शीर्ष कमांडर और प्रमुख रणनीतिकार टिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी तथा वरिष्ठ नेता मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम का आत्मसमर्पण अभियान की निर्णायक कड़ी बन गया है, जिसे केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक माओवादी उग्रवाद के पूर्ण उन्मूलन के लक्ष्य के साथ शुरू किया था। करीब साठ से बासठ वर्ष के देवजी तेलंगाना के जगत्याल जिले के कोरुतला कस्बे के अंबेडकर नगर के निवासी हैं। दलित माला परिवार से आने वाले देवजी ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान कट्टर वामपंथी विचारधारा अपनाई। 1982 में उन्होंने रेडिकल स्टूडेंट यूनियन (RSU) से जुड़कर राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। 1983 में उन्होंने सीपीआई (एमएल) पीपुल्स वार ग्रुप जॉइन किया और भूमिगत हो गए। 1983-84 में गढ़चिरोली दलम का हिस्सा रहे, 1985 में एरिया कमेटी सदस्य और 2001 में केंद्रीय समिति में शामिल हुए। 2016 में उन्हें केंद्रीय सैन्य आयोग का प्रभारी बनाया गया। देवजी को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA) के गठन का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो में कार्य



किया तथा दक्षिण भारत जोन और सेंट्रल रीजनल ब्यूरो में सैन्य रणनीति का मार्गदर्शन किया। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, 2010 के दंतेवाड़ा हमले सहित कई बड़े हमलों में उनकी भूमिका रही है। उनके सिर पर 1.5 से 2 करोड़ रुपये तक का इनाम था। मई 2025 में सीपीआई माओवादी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजु की मृत्यु के बाद देवजी ने संगठन की कमान संभाली थी। उनका आत्मसमर्पण संगठन के नेतृत्व को लगभग शून्य में ला खड़ा करता है। वहीं, मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम लगभग 76 वर्ष के अनुभवी माओवादी नेता हैं। पेद्दापल्ली जिले के मुथारम मंडल के सथराजपल्ली गांव के निवासी राजी रेड्डी ने 1975 में नक्सली आंदोलन में कदम रखा और संगठन में विभिन्न अहम पदों पर रहे। उनके सिर पर भी 1 करोड़ रुपये का इनाम था। वे संगठन की केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के अंतिम शीर्ष नेताओं में शामिल थे। 17 फरवरी को छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर नाम्बी और करंगुड़ा पहाड़ियों में सीआरपीएफ के नेतृत्व में व्यापक अभियान KGH 2 शुरू किया गया। खुफिया ब्यूरो और विशेष खुफिया शाखा ने परिवार और परिचितों के जरिए दबाव बढ़ाया। तेलंगाना के डीजीपी बी शिवाधर रेड्डी ने 15 फरवरी को भूमिगत नेताओं से मुख्यधारा में लौटने की अपील की और राज्य की सरेंडर एंड

रिहैबिलिटेशन योजना के तहत मदद का आश्वासन दिया। दोनों नेता पिछले दो दिनों से पुलिस के संपर्क में थे। अंततः रविवार तड़के को माराम भीम आसिफाबाद जिले में विशेष खुफिया ब्यूरो के समक्ष उन्होंने आत्मसमर्पण किया। उनके साथ सोलह अन्य कैडर ने भी हथियार डाल दिए, जो माओवादी ढांचे के तेजी से सिमटते दायरे का संकेत है। पिछले एक वर्ष में देशभर में 2,793 कैडर ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 1,590 केवल बस्तर क्षेत्र से थे। अकेले 2025 में 1,040, 2024 में 881, 2023 में 376 और 2022 में 496 आत्मसमर्पण दर्ज हुए। केवल तेलंगाना में पिछले दो वर्षों में 588 माओवादी नेता और कैडर सामान्य जीवन में लौटे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च तक देश से माओवादी उग्रवाद समाप्त करने का संकल्प जाहिर किया था। तीन वर्षों में व्यापक अभियान, सटीक खुफिया समन्वय, राज्यों के बीच तालमेल और पुनर्वास नीति के संयोजन ने माओवाद की रीढ़ तोड़ दी। देवजी और राजी रेड्डी का आत्मसमर्पण उसी रणनीति की परिणति है। अब जब संगठन के शीर्ष चार केंद्रीय समिति सदस्यों में से दो ने हथियार डाल दिए हैं, यह माना जा सकता है कि माओवादी आंदोलन अपने अंतिम दौर में है। दशकों से खून और हिंसा से दागदार रहे इलाकों में अब शांति, विकास और लोकतांत्रिक मुख्यधारा की उम्मीद मजबूत हुई है।

मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी से इंडिया ब्लॉक नेतृत्व छोड़ने की अपील

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय



कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए उनसे इंडिया ब्लॉक के नेता पद से इस्तीफा देने का आग्रह किया है। अय्यर ने ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, एम.के. स्टालिन और तेजस्वी यादव जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं के नाम इस भूमिका संभालने के संभावित उम्मीदवारों के रूप में सुझाए। अय्यर ने कांग्रेस की हालिया चुनावी हार का जिक्र करते हुए कहा कि गठबंधन को मजबूत करने और सुदृढ़ बनाने के लिए क्षेत्रीय पार्टी नेताओं को अधिक समय और स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, “हम इतने अक्षम थे कि ममता बनर्जी को दूर रखा, और इसी वजह से कांग्रेस कमजोर हुई। राहुल गांधी को इस पद को अपने पास रखने की बजाय क्षेत्रीय नेताओं को कमान संभालने देना चाहिए।” इस बयान पर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केवल राहुल गांधी ही इंडिया ब्लॉक का प्रभावी नेतृत्व कर सकते हैं और

भाजपा को टक्कर देने में सक्षम हैं। मणिशंकर अय्यर ने पहले भी पार्टी की नीतियों और नेताओं की भूमिका पर आलोचनात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन की प्रशंसा की और सुझाव दिया कि पंचायती राज व्यवस्था में सुधार और संशोधन किए जाने चाहिए। अय्यर ने यह टिप्पणी ‘विजन 2031: विकास और लोकतंत्र’ शीर्षक वाले अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में की, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने किया। उन्होंने कहा कि केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज राज्य बनाने के लिए व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइज़ैक के विचार, अपनी अध्यक्षता में तैयार की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और वी.के. रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रस्तुत नोट के आधार पर कानूनों में संशोधन आवश्यक हैं। इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस और विपक्षी दलों में भविष्य की रणनीति और गठबंधन नेतृत्व को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो सकती है।

पूर्व BJP सांसद मुखबीर जौनापुरिया पर मुस्लिम महिलाओं को अपमानित करने के आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजस्थान के टोंक जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पूर्व सांसद और BJP नेता मुखबीर सिंह जौनापुरिया पर आरोप है कि उन्होंने एक कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम महिलाओं को पहचानकर उनसे कंबल वापस ले लिए और उन्हें कार्यक्रम स्थल से बाहर कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने प्रदेश की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। वीडियो में जौनापुरिया महिलाओं से कहते दिख रहे हैं कि जो लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देंगे, उन्हें कंबल नहीं मिलेगा। क्लिप में वे महिलाओं को कंबल देते हुए उनका नाम पूछते हैं। जब एक महिला मुस्लिम नाम बताती है, तो जौनापुरिया अपने साथियों को उसे कंबल न देने का निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा, “जो लोग PM मोदी को गाली देते हैं, उन्हें कंबल पाने का कोई अधिकार नहीं है। अगर किसी को चोट लगती है तो मैं कुछ नहीं कर सकता।” इसके बाद उन्होंने महिलाओं को कार्यक्रम स्थल छोड़ने के लिए कहा और पहले बांटे गए कंबल वापस ले लिए। कुछ गांववालों ने विरोध

किया, लेकिन जौनापुरिया ने अपनी बात पर अड़े रहकर कहा, “मैं जिसे चाहता हूँ, उसे देता हूँ।” वीडियो में बाद में कई लोग मुस्लिम महिलाओं को कंबल देने से मना करने पर भाजपा नेता से भिड़ते दिखाई देते हैं। विरोध करने वालों का कहना था कि महिलाएं घंटों इंतजार कर रही थीं। जौनापुरिया ने बहस से बचते हुए मौके से चले जाने का निर्णय लिया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने वीडियो को X पर शेयर करते हुए जौनापुरिया पर मुस्लिम महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने ट्वीट किया, “BJP के पूर्व MP मुखबीर सिंह जौनापुरिया टोंक में कंबल बांट रहे थे। फिर उन्होंने एक गरीब मुस्लिम महिला का अपमान किया और कंबल वापस ले लिया। असल में, यह छोटी और घटिया सोच वाला आदमी ही असली गरीब है।” जौनापुरिया ने बाद में अपने फेसबुक का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम सही था। उन्होंने कहा, “एक खास धर्म के लोग मोदी के खिलाफ हैं और उनके बारे में बेबुनियाद कमेंट करते रहते हैं। यह भी सच नहीं कि सभी हिंदू BJP को सपोर्ट करते हैं। लेकिन क्या कभी किसी खास धर्म के लोग मोदी की रैली में



आएंगे?” उन्होंने दावा किया कि कम्युनिटी किचन से खाना बांटते समय या स्कूलों में स्टडी मटीरियल देते समय वे भेदभाव नहीं करते, लेकिन इस मामले में उनका कदम सही था। इस घटना ने सामाजिक और राजनीतिक चर्चा को बढ़ा दिया है और धर्म आधारित भेदभाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सत्यमेव जयते

B.N. D.R. J.S. संस्थान (पंजी. UIN/07943/2023-24) | 022 26421212

Legal Education Society

Chairman : Munesht Shukla (Legal Advisor)

Digitl Media Network

कानून का ज्ञान अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। कानून की अज्ञानता अक्सर ही बुराई होती है। हमारा संकल्प है कि हम आपको कानून के ज्ञान से अवगत करा देंगे।

E Mail : legal@lmsociety.org@gmail.com

022 26421212

कच्चे तेल में गिरावट और कमजोर डॉलर से रुपया मजबूत शुरुआती कारोबार में 21 पैसे चढ़ा

वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सोमवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूती के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में घरेलू मुद्रा 21 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 के स्तर पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट और डॉलर में कमजोरी से रुपये को सहारा मिला। कारोबार की शुरुआत में रुपया 90.76 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 90.73 तक मजबूत हो गया। यह स्तर पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव की तुलना में 21 पैसे की मजबूती को दर्शाता है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 26 पैसे टूटकर 90.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की संभावित घोषणा की आशंकाओं के बीच डॉलर पर दबाव बना हुआ है। छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.47 पर आ गया। डॉलर में आई इस कमजोरी का सीधा फायदा उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं को



मिला, जिसमें भारतीय रुपया भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भी रुपये के पक्ष में रही। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। चूंकि भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से व्यापार घाटा और महंगाई पर दबाव कम

होने की उम्मीद बढ़ती है, जिससे रुपये को समर्थन मिलता है। घरेलू शेयर बाजारों में भी तेजी का रुख देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 180.05 अंक चढ़कर 25,751.30 अंक पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक

(एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 934.61 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर आने वाले दिनों में रुपये की चाल निर्भर करेगी। फिलहाल, कमजोर डॉलर और सस्ते कच्चे तेल ने घरेलू मुद्रा को मजबूती प्रदान की है।

साहिल और रवीना ने इंडियन ओपन रेस वॉक में जीते स्वर्ण



पंजाब के खिलाड़ी साहिल ने रविवार को संपन्न हुई 'इंडियन ओपन रेस वॉक' प्रतियोगिता के अंतिम दिन पुरुष हाफ मैराथन में अपने अधिक चर्चित प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनोरम सुखना झील कोर्स पर हुए रोमांचक मुकाबले में 24 वर्षीय साहिल ने तमिलनाडु के अनुभवी सर्विन सेबेस्टियन को पीछे छोड़ते हुए 21 किलोमीटर की दूरी को 1 घंटे 25 मिनट 48 सेकंड में पूरा कर पहला स्थान हासिल किया। सेबेस्टियन ने 1:25:50.00 के समय के साथ रजत पदक और हरियाणा के हरदीप ने 1:26:03.00 के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पेरिस ओलंपियन परमजीत सिंह बिष्ट चौथे और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अश्वदीप सिंह सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं की हाफ मैराथन में हरियाणा की अनुभवी रवीना ने 21 किलोमीटर की दूरी 1:39:15.00 के समय में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश की मुनीता प्रजापति और उत्तराखंड की मानसी नेगी ने क्रमशः 1:39:26.00 और 1:42:58.00 के समय के साथ रजत और कांस्य पदक हासिल किए। हाल ही में सीनियर वर्ग में कदम रखने वाली आरती चौथे स्थान पर रही। अंडर-20 वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। उत्तराखंड के तुषार पंवार ने पुरुष पांच किमी अंडर-20 स्पर्धा में 19:59.00 का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता और पिछले वर्ष बनाए अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 20:07.00 को तोड़ा। महिला अंडर-20 पांच किमी स्पर्धा में राजस्थान की मनीषा ने 23:24.00 के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस आयोजन ने देश के युवा एथलीटों के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन का उत्साहवर्धक मंच प्रस्तुत किया।



आईपीएल 2026 में खेलते दिखेंगे महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स ने की पुष्टि

बिहार के मुख्यमंत्री ने अंडर-19 विश्व कप विजेता वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये से किया सम्मानित

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को समस्तीपुर जिले के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें 50 लाख रुपये का चेक और शॉल देकर उनकी अद्वितीय उपलब्धि को सलाम किया। सूर्यवंशी की रिकॉर्ड सेंचुरी की मदद से भारत ने छह फरवरी को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का खिताब जीता था। सूर्यवंशी ने टूर्नामेंट के दौरान एक मैच में 80 गेंदों पर 175 रन बनाकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 218 से अधिक था। इसी प्रदर्शन के कारण उन्हें न केवल मैच का बल्कि पूरे टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सम्मान समारोह मुख्यमंत्री के सरकारी आवास परिसर में 'संकल्प सभागार' में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान नीतीश कुमार ने सूर्यवंशी को शॉल और चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, "अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह साफ है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य युवाओं से वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट के लिए नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। समारोह में सूर्यवंशी के परिवार के



सदस्य भी उपस्थित थे। सूर्यवंशी ने कहा, "यह सिर्फ एक तोहफा नहीं है, बल्कि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा है।" उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, कोच और सभी समर्थकों को दिया। सूर्यवंशी की इस उपलब्धि ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि बिहार राज्य में भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाया है। उनके उज्ज्वल प्रदर्शन से यह साफ है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य युवाओं की प्रतिभा और मेहनत पर मजबूत है।

भारत को दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से सबक लेना होगा : सुनील गावस्कर

भारत को टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार के बाद अपने खेल और रणनीति पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को अहंकार त्यागकर परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए। गावस्कर ने जियो स्टार से कहा, "भारतीय बल्लेबाजों को ब्रेविस और मिलर की साझेदारी से सबक लेकर खेलने की जरूरत थी। वे अति आत्मविश्वास के साथ उतरे, हर गेंद पर बल्ला चलाते रहे और विकेट गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका हर विभाग में भारत से बेहतर साबित हुआ।" दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत कमजोर रही थी और एक समय स्कोर तीन विकेट पर 20 रन था, लेकिन मिलर और ब्रेविस ने 97 रन की साझेदारी कर टीम को सात विकेट पर 187 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में भारत 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑल आउट हो गया। गावस्कर ने कहा, "भारत ने कोई सबक नहीं लिया। टी20 क्रिकेट में हर गेंद को बाउंड्री पर मारने का प्रयास नहीं करना चाहिए। विपक्षी टीम के खेल का विश्लेषण कर परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहिए।" उन्होंने विशेष रूप से तिलक वर्मा की बल्लेबाजी पर निराशा जताई और

कहा कि उन्हें क्रीड़ा पर समय बिताना और साझेदारी निभाने पर ध्यान देना चाहिए। थागावास्कर ने आगे कहा कि भारत का अगला मुकाबला जिंबाब्वे से है और वह चाहेंगे कि अक्षर पटेल अंतिम एकादश में वापसी करें। उन्होंने सुझाव दिया कि अक्षर पटेल को अर्शदीप सिंह की जगह टीम में शामिल किया जा सकता है, जबकि वाशिंगटन सुंदर को आराम दिया जा सकता है। गावस्कर की राय में, भारत को आत्मविश्वास के साथ-साथ रणनीति और परिस्थितियों के अनुसार खेल में संतुलन बनाए रखना होगा ताकि सुपर आठ में अपनी स्थिति मजबूत रखी जा सके।



टी20 विश्व कप: सुपर 8 में मुश्किल बढ़ी

रविवार को नॉर्दर् मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप के सुपर 8 दौर के मुकाबले में भारत को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार ने टीम को न केवल अंक तालिका में नीचले पायदान पर धकेल दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारतीय बल्लेबाजी बड़ी पिछो और दबाव वाली परिस्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी। भारत मौजूदा चैंपियन और सुपर 8 की प्रबल दावेदार टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरा था, लेकिन अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका ने 231/5 का स्कोर खड़ा कर भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती दी। भारत 154 रनों पर ऑल आउट हो गया और दक्षिण अफ्रीका ने नेट रन रेट में बड़ा बढ़त हासिल कर ली। इस प्रदर्शन के साथ दक्षिण

अफ्रीका ग्रुप 1 में दो अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया, जबकि भारत का नेट रन रेट -3.8 के साथ सबसे निचले पायदान पर है। सुपर 8 ग्रुप 1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज शामिल हैं। भारत को आगे बढ़ने के लिए जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि राष्ट्रीय स्कोर के आधार पर सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने का मौका मिल सके। भारत ने टूर्नामेंट से पहले कई द्विपक्षीय श्रृंखलाओं में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें टीम ने लगातार 200 से अधिक रन बनाए। लेकिन यह प्रदर्शन सपाट पिचों पर था और इसमें वास्तविक दबाव वाले मैचों की तैयारी नहीं थी। अहमदाबाद में मिली हार ने यह साबित कर दिया कि टीम को



चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए रणनीति और बल्लेबाजी सुधार की जरूरत है। टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति अब चुनौतीपूर्ण हो गई है, और टीम को आगे बढ़ने के लिए अपनी बल्लेबाजी और नेट रन रेट सुधारने पर जोर देना होगा।

स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में रोबोट्स के सधे हुए स्टेप्स देख दुनिया दंग

चीन के रोबोट्स का 'कुंग फू' धमाका

चीन के 'स्प्रिंग फेस्टिवल गाला' में Unitree G-1 रोबोट्स ने पहली बार पूरी तरह स्वचालित कुंग फू और डांस का प्रदर्शन किया। इन मशीनों की सटीकता और संतुलन ने भविष्य में रोबोट्स द्वारा इंसानी जगह लेने की वैश्विक बहस को फिर से तेज कर दिया है।



चीन पहले भी अपनी टेक्नोलॉजी के दम पर दुनिया को चौंकाता रहा है (Photos: @WhileTravelling, @XH_Lee23/X)

क्या आने वाले समय में रोबोट इंसानों की जगह ले लेंगे? यह सवाल लंबे समय से चर्चा में है। कुछ लोग मानते हैं कि ऐसा पूरी तरह संभव नहीं, लेकिन यह जरूर है कि कई कामों में मशीनें इंसानों से कहीं आगे निकल सकती हैं। इंसान का अस्तित्व बना रहेगा, पर उससे जुड़े कई काम रोबोट उससे भी ज्यादा सटीक और तेजी से

कर सकते हैं। चीन से सामने आया एक वीडियो इसी बहस को फिर से हवा दे रहा है। चीन पहले भी अपनी टेक्नोलॉजी और AI के दम पर दुनिया को चौंकाता रहा है। लेकिन इस बार जो नजारा देखने को मिला, उसने लोगों को सचमुच हैरान कर दिया। हर साल चीनी नववर्ष की

पूर्व संध्या पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित होता है, जिसे CCTV स्प्रिंग फेस्टिवल गाला कहा जाता है। यह देश का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला टीवी शो है। लोग त्योहार की तैयारी के साथ टीवी के सामने बैठते हैं और इस खास प्रसारण का इंतजार करते हैं। इस साल मंच पर जो हुआ,

उसने दर्शकों की निगाहें स्क्रीन पर टिकाकर रख दीं। Unitree Robots द्वारा तैयार किए गए दर्जनों G-1 ह्यूमनॉइड रोबोट पहली बार पूरी तरह स्वचालित प्रदर्शन करते नजर आए। इंसान जितनी ऊंचाई वाले ये रोबोट कुंग फू के जटिल दांव-पेंच ऐसे निभा रहे थे। ७



फिल्टर हटा और उड़ गए 1.4 लाख फॉलोअर्स

एल्गोरिद्म के दौर में, जहां खामियों के लिए जगह कम होती जा रही है, वहां बिना फिल्टर की एक झलक भी चौंकाने वाली लग सकती है। एक चीनी कंटेंट क्रिएटर ने यह बात तब महसूस की, जब उसके लाइव ब्रॉडकास्ट के दौरान ब्यूटी फिल्टर अचानक काम करना बंद कर गया। इस पल के क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और डिजिटल ब्यूटी स्टैंडर्ड्स तथा ऑनलाइन परफॉर्मेंस के दबाव पर नई बहस शुरू हो गई। ७

मुंबई: सपनों का शहर या 'किराए' का कहर?

एक आशियाना सबका सपना होता है। लेकिन भारत में एक छोटा सा घर हासिल करने के लिए भी जहोजहद करनी पड़ती है, खासतौर पर मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में, जहां रेंट आसमान छू रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कंटेंट क्रिएटर मुस्कान रांका मुंबई के सबसे पॉश इलाके में अपना एक फ्लैट दिखाती हैं। यह फ्लैट और उसका किराया देख लोग हैरान हो गए। वीडियो इंस्टाग्राम पर 1.7 मिलियन व्यूज के साथ वायरल हो चुका है। वीडियो में दिखाता है कि मुंबई बेस्ट कंटेंट क्रिएटर मुस्कान रांका से पूछा जाता है कि वह कहां रहती हैं। इसके बाद मुस्कान उन्हें अपने घर का टूर कराती हैं। वीडियो की



शुरुआत में सीधा सवाल किया जाता है-मुंबई में कितना किराया देती हो? मुस्कान ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया कि मेरी दोनों किडनी के बराबर, ब्रो.. उनके इस जवाब ने मुंबई के महंगे रेंटल मार्केट का हाल एक लाइन में बयान कर दिया। जब उनसे सटीक रकम बताने को कहा गया, तो मुस्कान ने खुलासा किया कि वह हर महीने 1,11,000 रुपये किराया देती हैं। ७

भव्यता के बीच कपल ने पेश की मानवता की मिसाल

दूल्हा-दुल्हन ने कैटरिंग स्टाफ को परोसा खाना

सोशल मीडिया पर शायदियों की रीलस अक्सर वायरल होती रहती हैं। कहीं दूल्हे का धमाकेदार डांस चर्चा में होता है, तो कहीं दुल्हन स्टेज पर रील बनाती नजर आती है। कभी दूल्हा-दुल्हन की ग्रैंड एंट्री सुर्खियां बटोरती है, तो कभी पैसों की बारिश वाला वीडियो ट्रेंड करने लगता है।

भव्यता और दिखावे के बीच कई बार सादगी कहीं पीछे छूट जाती है। लेकिन इन दिनों एक ऐसा शादी का वीडियो वायरल हो रहा है, जो इन सब से बिल्कुल अलग है। लोग इसे देखकर कह रहे हैं -क्या सादगी है, क्या संस्कार है। आइए जानते हैं आखिर इस वीडियो में ऐसा क्या है। इंस्टाग्राम यूजर आरुष ने इस खास पल का वीडियो शेयर किया। उन्होंने इसे कैप्शन दिया - 'कुछ अलग करने का सोच रहा हूं।' इसके



सोशल मीडिया पर इस वीडियो की तारीफ हो रही है

बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि शादी की रस्में पूरी होने के बाद दूल्हा-दुल्हन हाथों में खाने से भरे बर्तन लेकर कैटरिंग स्टाफ की ओर बढ़ते हैं।

स्टाफ के लोग कुर्सियों पर कतार में बैठे नजर आते हैं। मुस्कुराते हुए यह जोड़ा एक-एक कर सभी को खाना परोसना शुरू करता है।

कैटरिंग स्टाफ इस अप्रत्याशित गेस्चर से पहले तो चौंक जाता है, लेकिन जल्द ही उनके चेहरों पर मुस्कान फैल जाती है। शादी की भव्यता और शोर-शराबे के बीच यह दृश्य बेहद शांत और भावुक माहौल बना देता है। आमतौर पर बड़े आयोजनों में पदों के पीछे काम करने वाले लोगों की मेहनत अनदेखी रह जाती है। ७

ईशा मालवीय की पहली फिल्म 'इश्कां दे लेखे' ट्रेलर रिलीज 6 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक

भारतीय अभिनेत्री, मॉडल, डांसर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ईशा मालवीय की पहली फिल्म 'इश्कां दे लेखे' का आधिकारिक ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। 'बिग बॉस 17' से लोकप्रियता हासिल करने वाली ईशा इस रोमांटिक पंजाबी फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म का ट्रेलर स्पीड रिकॉर्ड्स, पैनोरमा स्टूडियो और डायमंडस्टार वर्ल्डवाइड के यूट्यूब चैनलों पर कोलैबोरेशन के तहत रिलीज किया गया है। इन तीनों चैनलों के कुल मिलाकर लगभग 50 मिलियन सब्सक्राइबर हैं, जिससे ट्रेलर को व्यापक पहुंच मिलने की उम्मीद है। ट्रेलर जारी करते हुए डिस्ट्रिक्शन में लिखा गया, "एक बार फिर प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए! स्पीड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत करता है 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित पंजाबी प्रेम कहानी 'इश्कां दे लेखे' का ट्रेलर। शानदार गुरनाम भुल्लर और खूबसूरत ईशा मालवीय अभिनीत यह फिल्म उन सभी लोगों के लिए है, जिन्होंने कभी दिल से प्यार किया है।" ट्रेलर की शुरुआत एक रोमांटिक पंजाबी गीत से होती है, जिसमें ईशा मालवीय परीक्षा हॉल में बैठी नजर आती हैं। फिल्म में वह 'जसनीत' का किरदार निभा रही हैं। इसके बाद ट्रेलर में कई प्रभावशाली

संवाद सुनने को मिलते हैं। एक संवाद में कहा गया है, "कई बार कुड़िया दा पहला प्यार, बहुतों ने प्यार कर चुके होते हैं।" ट्रेलर का समापन एक भावनात्मक संवाद के साथ होता है— "जे रब सानु प्यार करने वाले ने पागल बना सकता है, तो क्या प्यार करने वाले रब नू थोड़ा सा पागल नहीं बना सकते?" ट्रेलर में रोमांस के साथ-साथ पारिवारिक भावनाओं और सामाजिक पहलुओं की झलक भी दिखाई गई है, जिससे कहानी केवल प्रेम तक सीमित नहीं बल्कि रिश्तों की गहराई को भी दर्शाती है। सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म को एक खास माहौल प्रदान करते हैं, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास करता है। फिल्म 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और प्रशंसक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में ईशा मालवीय और गुरनाम भुल्लर के अलावा राणा रणबीर, मिटू कप्पा, बलविंदर बुलेट, गुरलीन चोपड़ा, गुरप्रीत रंधावा, जसबीर गिल, मोहनी तूर, बाबर खान, कवि सिंह, शनाया खन्ना, मनिंदर वेली, अशदीप कौर भट्टी, डेवी सिंह, सीरत प्रीत, रंग हरजिंदर, पुष्पक चौठा, हेजल सप्रा और अशदीप सिंह गिल जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है, जबकि गुरनाम

भुल्लर इसके निर्देशक हैं। कार्यकारी निर्माता के रूप में जसविंदर लाहरी जुड़े हुए हैं। रोमांस और भावनाओं से भरपूर यह फिल्म पंजाबी सिनेमा में एक नई प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत की जा रही है।



सिंगापुर दौरे पर CM योगी ने 6,650 करोड़ के तीन एमओयू किए साइन, 20 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान 6,650 करोड़ रुपये के तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे प्रदेश में 20 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर दौरा प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। दौरे के पहले दिन ही सीएम ने यूनियवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ 6,650 करोड़ रुपये के तीन बड़े समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये एमओयू हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स पार्क और हाइपरस्केल डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए हैं। इन परियोजनाओं से अनुमानित तौर पर 20 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। सीएम योगी ने निवेशकों के साथ बातचीत के दौरान प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, बेहतर कनेक्टिविटी, तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक ढांचे और निवेश के अनुकूल माहौल की जानकारी साझा की। उन्होंने



यूनियवर्सल सक्सेस ग्रुप को लखनऊ में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। सीएम ने स्पष्ट किया कि यूपी सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग देने और परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इन एमओयू के जरिए निवेश केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं बनेंगे, बल्कि प्रदेश में रोजगार सृजन और तकनीकी क्षेत्र में विशेषज्ञता को भी बढ़ावा मिलेगा। हाइपरस्केल डेटा सेंटर परियोजना प्रदेश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगी और आईटी, क्लाउड सर्विसेज और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करेगी। वहीं, लॉजिस्टिक्स पार्क और हाउसिंग

परियोजनाएं निर्माण, परिवहन और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। इस कदम को यूपी सरकार की निवेश प्रोत्साहक नीतियों का हिस्सा माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने औद्योगिक निवेश, आधारभूत ढांचे के विकास और व्यवसायिक माहौल को सुधारने के लिए कई पहल की हैं। प्रदेश ने निवेशकों के लिए एक स्पष्ट और सरल नीति ढांचा तैयार किया है, जिससे उन्हें परियोजनाओं के लिए समय पर अनुमति और सहयोग मिल सके। सिंगापुर दौरे का यह समझौता उन प्रयासों का परिणाम है, जो राज्य सरकार ने निवेश आकर्षित करने, युवाओं के लिए रोजगार सृजन

और औद्योगिक विकास को गति देने के लिए किए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम प्रदेश में तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों की रुचि को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। इस समझौते से न केवल निवेशकों के लिए नए अवसर खुलेंगे, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। साथ ही, डिजिटल और औद्योगिक आधारभूत ढांचा मजबूत होने से यूपी निवेश और रोजगार के लिए एक आकर्षक केंद्र बनकर उभर रहा है।



यूपी विधानसभा के बाहर भाकपा (माले) का विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

लखनऊ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा माले) ने मंगलवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से आए पार्टी के पदाधिकारी और सदस्य चारबाग रेलवे स्टेशन पर एकत्र हुए और विधानसभा घेराव की ओर बढ़े। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग के जरिए रोक दिया, जिससे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस प्रदर्शन में यूपी के 75 जिलों से आए कम्युनिस्ट पार्टी के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। उन्होंने बुलडोजर, बिजली के निजीकरण, किसानों को फसलों का उचित मूल्य और आम जनता से जुड़े अन्य मुद्दों पर सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। भाकपा माले के जिला अध्यक्ष रमेश सेंगर ने कहा कि पूरे प्रदेश में बुलडोजर के जरिए किसानों और आम लोगों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में संविधान को ताक पर रखकर पुलिस की मदद से आम लोगों के मकान और दुकानों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, “आज हम विधानसभा घेरकर इस गूंगी-बहरी सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने आए हैं। हम पुश्तैनी जमीन, पट्टा, वन भूमि पर आबादी और गरीबों की बढहाली जैसे मुद्दे उठाने के लिए यहां हैं। इसके अलावा हम मनरेगा को बहाल कर 200 दिनों का काम और 600 प्रतिदिन का मानदेय देने की मांग कर रहे हैं।” पार्टी के प्रदर्शन ने प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ आम जनता और किसानों के बीच गहरी नाराजगी को उजागर किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर दबाव बनाने और अपनी मांगों को गंभीरता से सुनने के लिए जोर दिया, जबकि पुलिस ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक बैरिकेडिंग और निगरानी की।

होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का परिणाम लंबित अभ्यर्थियों का लखनऊ में प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भर्ती का अंतिम परिणाम घोषित न होने से अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मुख्य परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हुए करीब पांच माह बीत जाने के बाद भी परिणाम जारी न होने पर 397 अभ्यर्थियों ने लखनऊ पहुंचकर प्रदर्शन किया और आयोग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। अभ्यर्थियों के अनुसार, होम्योपैथिक फार्मासिस्ट (प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2023) के अंतर्गत विज्ञापन संख्या-09/24 की मुख्य परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित की गई थी। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन कराया गया, जो 26 सितंबर 2025 तक पूर्ण हो गया। उनका कहना है कि चयन प्रक्रिया की सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद अंतिम चयन परिणाम अब तक घोषित नहीं किया गया है। सोमवार सुबह बड़ी संख्या में अभ्यर्थी लखनऊ के पिकअप भवन के सामने एकत्र हुए। उन्होंने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराया। पोस्टरों पर ‘हमारा हक दो’, ‘397 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट रिजल्ट जल्द जारी करो’ और ‘विज्ञापन संख्या 09/2024 का अंतिम परिणाम शीघ्र घोषित करो’ जैसे नारे लिखे थे। अभ्यर्थियों का कहना है कि परिणाम में अनावश्यक



देरी से उनका भविष्य अधर में लटक गया है। प्रदर्शनकारियों ने आयोग के सचिव को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने उल्लेख किया कि पांच माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परिणाम घोषित न होने से वे मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कई अभ्यर्थियों ने अन्य रोजगार के अवसर इस भर्ती के भरोसे छोड़ दिए थे। उनका कहना है कि नियुक्ति में देरी से उनकी आर्थिक स्थिति और पारिवारिक योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। अभ्यर्थियों ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों का समय और मेहनत लगती है। ऐसे में चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी परिणाम लंबित

रहना निराशाजनक है। उन्होंने आयोग से पारदर्शिता के साथ जल्द परिणाम घोषित करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात आयोग के सचिव से कराई। सचिव ने आश्वासन दिया कि मार्च-अप्रैल के बीच अंतिम परिणाम जारी कर दिया जाएगा। आश्वासन के बाद अभ्यर्थी लौट गए, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तय समय सीमा में परिणाम जारी न होने पर वे आगे भी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल सभी की निगाहें आयोग की आगामी घोषणा पर टिकी हैं।

लखनऊ में संजय दत्त का भव्य रोड शो, फैन्स ने किया जोरदार स्वागत



शहर में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता संजय दत्त का भव्य रोड शो आयोजित किया गया, जिसमें हजारों फैन्स ने उनकी मौजूदगी का लुप्त उठाया। अभिनेता का रोड शो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, और लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। हाथों में पोस्टर, बैनर और फूल लेकर फैन्स ने संजय दत्त का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर रोड शो में भाजपा विधायक ने भी अभिनेता के सम्मान में उनके ऊपर फूल बरसाए। विधायक का यह स्वागत और सम्मान समारोह में शामिल लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गया। विधायक ने कहा कि संजय दत्त जैसी फिल्म इंडस्ट्री की आइकॉनिक शख्सियत का लखनऊ में स्वागत करना गर्व की बात है। संजय दत्त ने फैन्स के साथ अभिवादन करते हुए कहा कि उनके प्यार और समर्थन ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। उन्होंने फैन्स से हाथ मिलाया, उनके हाथों से फूल और

उपहार स्वीकार किए, और कई लोगों के साथ सेल्फी भी ली। सिटी पुलिस ने रोड शो के दौरान यातायात और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की। रोड शो शहर के व्यस्त मार्गों और ऐतिहासिक इलाकों से होकर गुजरा, जिससे नागरिकों ने भी इसका आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि यह रोड शो अभिनेता की नई फिल्म के प्रचार और फैन्स के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। रोड शो ने शहर में उत्साह और फिल्मी माहौल पैदा कर दिया। संजय दत्त के फैन्स के लिए यह दिन यादगार बन गया। सोशल मीडिया पर रोड शो की तस्वीरें और वीडियो भी वायरल हो गए, जिसमें फैन्स और विधायक द्वारा बरसाए गए फूलों की झलक प्रमुख रूप से दिखाई दी। यह आयोजन लखनऊ के लिए फिल्मी माहौल और उत्साह का प्रतीक बन गया।

CBI ने लखनऊ में खुलासा किया 10 लाख की रिश्तखोरी का मामला

लखनऊ में 10 लाख रुपये की रिश्तखोरी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (वापकोस) के आरोपी अधिकारी टेंडर की गोपनीय जानकारी और दस्तावेज बिचौलियों के माध्यम से कंपनियों तक पहुंचाते थे। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाती थी। सीबीआई ने शनिवार को वापकोस के प्रोजेक्ट मैनेजर पंकज दुबे, इकाना इंटरप्राइज के प्रोपराइटर बबलू सिंह यादव, बिचौलिये राहुल वर्मा और पंकज के ड्राइवर शुभम पाल को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि उड़ीसा में इमली प्रसंस्करण इकाई का 11.81 करोड़ रुपये का ठेका देने के एवज में बबलू बिचौलियों के माध्यम से रिश्त की किस्त पंकज को पहुंचा रहा था। एफआईआर में एक और बिचौलिया गोपाल मिश्रा का नाम भी शामिल है। जांच में यह खुलासा हुआ कि पंकज और गोपाल टेंडर से जुड़ी सभी गोपनीय जानकारी साझा करते थे। गोपाल उन कंपनियों से संपर्क करता था जो टेंडर के लिए इच्छुक होती थीं। जो भी कंपनी 6 से 10 प्रतिशत रिश्त देने के लिए तैयार होती, उसके साथ डील फाइनल की जाती थी।

लाल बारादरी विवाद: लविवि परिसर में छात्र संगठनों का प्रदर्शन और तनाव

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में जर्जर लाल बारादरी के दरवाजे बंद करने के निर्णय के विरोध में सोमवार को छात्र संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के छात्र नारेबाजी करते हुए प्रशासनिक भवन का घेराव कर रहे थे, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के गेट पर एबीवीपी के कार्यकर्ता भी एकत्रित हुए और जय शिवाजी, जय भवानी के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन की जगह है और इसे राजनीतिक या धार्मिक विवाद का मैदान नहीं बनाना चाहिए। उनका कहना था कि समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के छात्र जानबूझकर पुराने जर्जर भवन को मस्जिद बताकर उसमें नमाज अदा करने की मांग पर अड़े हुए हैं, जिससे परिसर का माहौल खराब हो रहा है। विरोध कर रहे समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई के छात्रों ने लाल बारादरी को जल्द से जल्द खोले जाने की मांग दोहराई। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि सरकार की ओर से इस ऐतिहासिक भवन के संरक्षण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को दी गई राशि का अब तक क्या उपयोग हुआ और इसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन, पुरातत्व विशेषज्ञों और छात्र प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति बनाने की भी मांग की,



ताकि जर्जर भवन को लेकर पारदर्शी और संतुलित निर्णय लिया जा सके। रविवार देर शाम तक विरोध प्रदर्शन जारी रहा। एनएसयूआई के प्रिस प्रकाश, अहमद रजा और विशाल कुमार के साथ समाजवादी छात्र सभा के प्रेम प्रकाश, तौकील गाजी और नवनीत यादव धरने पर बैठे रहे। पूरे मामले ने विश्वविद्यालय परिसर

में तनावपूर्ण माहौल बना दिया है और प्रशासन द्वारा जल्द समाधान निकालने की आवश्यकता पर जोर बढ़ा दिया है। यह विवाद लाल बारादरी की सुरक्षा, छात्रों के धार्मिक अधिकार और विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा का माहौल बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने की चुनौती को सामने लाता है।



गंभीर अपराधों के खुलासे को विशेष टीमें गठित करने के निर्देश, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर मख्त हुए एसपी जयप्रकाश सिंह

उन्नाव में पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने मासिक अपराध गोष्ठी में कड़े निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, अपहृत व गुमशुदा व्यक्तियों की जल्द बरामदगी तथा चोरी और अन्य गंभीर अपराधों के त्वरित खुलासे पर विशेष जोर दिया।एसपी ने आईटीएसएसओ पोर्टल पर 60 दिनों से अधिक समय से लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। साथ ही गैंगस्टर अधिनियम के तहत चिन्हित मामलों में प्रभावी और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म, चैन स्मैलिंग, नकबजनी और वाहन चोरी जैसे जघन्य अपराधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन मामलों के शीघ्र अनावरण के लिए विशेष टीमें गठित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में थानावार लंबित विवेचनाओं की गहन समीक्षा की गई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों

को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण विवेचना पूरी करने को कहा। उन्होंने 10 वर्षों के संपत्ति संबंधी अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों और टॉप-10 अपराधियों का नियमित सत्यापन और सतत निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही यक्ष ऐप पोर्टल पर शत-प्रतिशत और समयबद्ध प्रविष्टि करने के निर्देश दिए, ताकि अपराध और अपराधियों का अद्यतन रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।आगामी रमजान, होली और ईद जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए कानून-व्यवस्था की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में फ्लैग मार्च, ड्रोन कैमरों से निगरानी और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। एसपी ने त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए खुफिया तंत्र को सक्रिय रखने पर जोर दिया।बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। दही थाना क्षेत्र में महिला की हत्या का मात्र 18 घंटे में सफल अनावरण करने



पर क्षेत्राधिकारी विनी सिंह और थानाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। वहीं महिला शिक्षामित्र हत्याकांड का खुलासा करने पर असोहा थानाध्यक्ष फूल सिंह को भी सराहा

गया।एसपी ने कहा कि आमजन का विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और प्रभावी कानून-व्यवस्था अनिवार्य है।

उन्नाव में तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से हाईस्कूल छात्र घायल, अंग्रेजी बोर्ड परीक्षा देने से चूका



उन्नाव जिले के असोहा क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक होनहार छात्र का भविष्य दांव पर लगा दिया। तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से कक्षा 10वीं का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके चलते वह अपनी अंग्रेजी विषय की बोर्ड परीक्षा नहीं दे सका। घटना से परिजनों में आक्रोश और चिंता का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजगैन थाना क्षेत्र के कुशुम्भी गांव निवासी करन, श्यामलाल इंटर कॉलेज का छात्र है और इस वर्ष हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा दे रहा है। सोमवार को उसकी अंग्रेजी विषय की परीक्षा निर्धारित थी। परिजनों के मुताबिक, करन सुबह समय से घर से निकला था ताकि वह परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंच सके। वह बाइक से परीक्षा देने जा रहा था।इसी दौरान असोहा क्षेत्र के पास सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ऑटो ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि करन सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत घायल छात्र को सड़क से उठाया और उसके परिजनों को सूचना दी।परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर गए, जहां उसका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, करन को सिर में गंभीर चोट आई है, साथ ही शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। फिलहाल उसकी हालत पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं।परिवार के सदस्यों का कहना है कि करन पढ़ाई में बेहद होनहार है और बोर्ड परीक्षा को लेकर काफी उत्साहित था। अंग्रेजी विषय की परीक्षा के लिए उसने कई दिनों तक विशेष तैयारी की थी। हादसे के कारण परीक्षा छूट जाने से वह और उसका परिवार मानसिक रूप से काफी आहत हैं।परिजनों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि छात्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे विशेष अवसर प्रदान किया जाए, ताकि उसका एक वर्ष खराब न हो। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।

युवक ने की आत्महत्या: पत्नी के जाने से तनाव में था

उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र में एक युवक ने सोमवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी पत्नी के सात साल पहले छोड़कर चले जाने से तनाव में था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह घटना नूरुल्लांगर गांव की है। मृतक की पहचान 36 वर्षीय अमर बहादुर पुत्र शिव बरन के रूप में हुई है। अमर बहादुर की पत्नी सात साल पहले उसे छोड़कर अपनी दो

बेटियों के साथ चली गई थी और उसने किसी अन्य व्यक्ति से शादी कर ली थी। इस घटना के बाद से अमर बहादुर मानसिक तनाव में था। सोमवार सुबह अमर बहादुर ने अपने घर के दरवाजे पर रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। ग्रामीणों ने शव को लटका देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला

अस्पताल भेज दिया। अमर बहादुर मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहा था। वह अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके छोटे भाई संदीप की एक साल पहले कीटनाशक की एक साल पहले कीटनाशक निगलने से मौत हो चुकी थी। सबसे छोटा भाई वीरेश है। उसकी दो बहनें, शशि और सविता, विवाहित हैं और अपने ससुराल में रहती हैं। कुछ साल पहले उसकी मां कलावती का भी निधन हो चुका था। अमर बहादुर

अकेला रहता था और पत्नी के वियोग में तनावग्रस्त रहता था। इस संबंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने इस मामले में किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।



जीवित होते हुए भी ‘मृत’ घोषित, दो बुजुर्ग एक साल से पेंशन बहाली को भटकने को मजबूर

उन्नाव जिले के बिछिया ब्लॉक के मुर्तजानगर गांव से प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां के निवासी छोटे लाल पुत्र सूरज बली और गंगा चरण पुत्र मिश्री लाल की वृद्धावस्था पेंशन सरकारी अभिलेखों में त्रुटि के कारण रोक दी गई है। हैरानी की बात यह है कि दोनों बुजुर्गों को रिकॉर्ड में मृत दर्शा दिया गया, जबकि वे पूरी तरह जीवित हैं और पिछले लगभग एक वर्ष से अपनी पेंशन बहाल कराने के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं।दोनों पीड़ितों के अनुसार, वे लंबे समय से नियमित रूप से वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे थे। यह पेंशन ही उनके जीवन-यापन का मुख्य सहारा था। कुछ महीने पहले अचानक उनके खातों में पेंशन आना बंद हो गया। जब उन्होंने संबंधित विभाग में जाकर जानकारी की, तो पता चला कि सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। यह सुनकर वे स्तब्ध रह गए।छोटे लाल और गंगा चरण ने बताया कि उन्होंने कई बार ब्लॉक और तहसील कार्यालय पहुंचकर अपनी जीवित होने की पुष्टि की। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष आधार कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य पहचान पत्र भी प्रस्तुत किए, लेकिन इसके बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। हर बार उन्हें केवल आश्वासन देकर लौटा दिया गया। लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने और आवेदन देने के बावजूद अब तक पेंशन बहाल नहीं की गई है।पेंशन बंद होने से दोनों बुजुर्गों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वृद्धावस्था में उनके पास आय का कोई अन्य साधन नहीं है। दैनिक खर्च, दवाइयों और आवश्यक जरूरतों की पूर्ति करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया है। कई बार उन्हें पड़ोसियों

और रिश्तेदारों से उधार लेना पड़ा है। इस स्थिति ने उन्हें मानसिक रूप से भी गहरे तनाव में डाल दिया है।ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल दो लोगों का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न है। यदि समय पर रिकॉर्ड का सत्यापन किया जाता और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई होती, तो बुजुर्गों को इतनी परेशानी नहीं झेलनी पड़ती। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पारदर्शी जांच की मांग करते हुए कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।वहीं, संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने और उचित समाधान का आश्वासन दिया है। अब क्षेत्र के लोग यह उम्मीद कर रहे हैं कि जांच के बाद न केवल दोनों बुजुर्गों की पेंशन जल्द बहाल होगी, बल्कि जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक बिना बाधा पहुंच सके। इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि डिजिटल रिकॉर्ड और आधार आधारित सत्यापन प्रणाली लागू होने के बावजूद यदि इस प्रकार की त्रुटियां सामने आ रही हैं, तो यह सिस्टम की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। उनका मानना है कि वृद्ध और अशिक्षित लोगों के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाना बेहद कठिन होता है। ऐसे मामलों में प्रशासन को स्वतः संज्ञान लेकर त्वरित सुधार की प्रक्रिया अपनानी चाहिए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सभी पेंशनधारकों के रिकॉर्ड की पुनः जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी भी पात्र व्यक्ति को कागजी गलती के कारण अपने अधिकार से वंचित न होना पड़े।



आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रेवलर आगे चल रहे वाहन से टकराया, कर्नाटक के चालक सहित आठ छात्र घायल

उन्नाव जिले के औरास क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। अयोध्या जा रहा छात्रों से भरा एक ट्रेवलर आगे चल रहे वाहन से टकरा गया। हादसे में कर्नाटक निवासी चालक, एक गाइड और आठ छात्र घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल औरास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे की यात्रा के लिए रवाना कर दिया गया।जानकारी के अनुसार, ट्रेवलर कर्नाटक के बेलगांव जिले के अरभावी स्थित हार्टिकल्चर कॉलेज के बीएससी के लगभग 18 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को लेकर शैक्षणिक भ्रमण पर अयोध्या जा रहा था। वाहन चालक अर्जुन, जो कर्नाटक का निवासी है, सोमवार तड़के करीब चार बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से गुजर रहा था। तभी औरास क्षेत्र के शहदोई के पास उसे झपकी आ गई, जिससे ट्रेवलर अनियंत्रित हो गया और आगे चल रहे एक वाहन से जा टकराया।टक्कर की आवाज सुनकर आसपास से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ट्रेवलर में सवार छात्र घबराकर बाहर निकले। पुलिस और एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से औरास सीएचसी भिजवाया गया।चिकित्सकों के अनुसार, सभी घायलों को हल्की से मध्यम चोटें आई थीं। चालक अर्जुन को भी सिर और हाथ में चोट लगी। गाइड और कुछ छात्रों को शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आईं, लेकिन किसी की हालत गंभीर नहीं बताई गई। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकीय निगरानी में उन्हें विश्राम की सलाह दी गई।कॉलेज के शिक्षकों ने बताया कि छात्र लंबे सफर पर थे और रातभर यात्रा जारी थी। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को आई झपकी माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्राओं के दौरान पर्याप्त विश्राम और सतर्क ड्राइविंग की आवश्यकता को रेखांकित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार और नींद की झपकी घातक साबित हो सकती है। सौभाग्य से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना यात्रियों और वाहन चालकों के लिए सावधानी बरतने की चेतावनी है।



बीघापुर में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत, पुलिस मामले की जांच में जुटी

उन्नाव जिले के बीघापुर थाना क्षेत्र के हिंदपाल खेड़ा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना ने गांव में शोक और चिंता का माहौल बना दिया है।परिजनों ने बताया कि मृतक युवक शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे घर से निकला था और उसने कहा था कि वह कानपुर जा रहा है। हालांकि, देर रात तक उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार तड़के लगभग 1 बजे पुलिस ने परिजनों को फोन कर युवक की ट्रेन से कटकर मौत होने की सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक की मौत किसी दुर्घटना का परिणाम है या इसके पीछे कोई अन्य कारण हो सकता है।थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ट्रेन ट्रैक और आसपास के इलाकों में पृथ्ठाछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत आकस्मिक हादसे के कारण हुई या इसमें किसी तरह की संदिग्ध परिस्थिति शामिल है।परिजनों ने बताया कि युवक अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था और उनकी अचानक हुई मौत से परिवार सदमे में है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की अपील की है। स्थानीय लोग भी घटना को लेकर चिंतित हैं और पुलिस की जांच में तेजी लाने की मांग कर रहे हैं।

नानामऊ गंगा तट पर कलश विसर्जन, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

उन्नाव के गंजमुरादाबाद ब्लॉक के रामकुवर गाँव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन हो गया। समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने नानामऊ गंगा तट पर कलश विसर्जन और हवन-पूजन कर धार्मिक उत्सव की गरिमा बढ़ाई।घटना स्थल पर भारी संख्या में ग्रामीण ढोल-नगाड़ों और भजनों के साथ उपस्थित हुए। उन्होंने कलश को गंगा में विसर्जित किया और आस्था का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया।कलश विसर्जन के बाद प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह ने नानामऊ घाट पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर लगभग 1200 पुरुष और महिलाएँ नानामऊ गंगा तट पर पहुंचे और विसर्जन पूजन में भाग लिया।सात दिवसीय कथा का संचालन समाज सुधारक एवं अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता आचार्य मनीष तिवारी जी द्वारा किया गया। कथा के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पंडाल में उमड़ते रहे। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र में अब तक का सबसे भव्य साप्ताहिक भागवत कथा आयोजन बताया।इस आयोजन ने नानामऊ और आसपास के गाँवों में धार्मिक और सामाजिक ऊर्जा का संचार किया, और आस्था व एकजुटता का सुंदर संदेश दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में जर्जर लाल बारादरी विवाद छात्र संगठन आमने-सामने, परिसर में तनाव बढ़ा

लखनऊ विश्वविद्यालय में जर्जर लाल बारादरी को बंद करने के फैसले के खिलाफ समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई ने विरोध प्रदर्शन किया। एबीवीपी कार्यकर्ता भी विरोध में शामिल हुए। परिसर में तनावपूर्ण माहौल, छात्रों ने प्रशासन से पुनः खोलने और पारदर्शी समिति बनाने की मांग की।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) परिसर स्थित जर्जर लाल बारादरी के दरवाजों को बंद करने के प्रशासनिक निर्णय के विरोध में समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई छात्रों का विरोध सोमवार को भी जारी रहा। छात्र नारेबाजी कर हंगामा कर रहे थे, जबकि इसी दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता भी परिसर में जमा हो गए और “जय शिवाजी, जय भवानी” के नारे लगा रहे थे। परिसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी रही और प्रशासन ने सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की। लविवि प्रशासनिक भवन के गेट पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन की जगह है और समाजवादी छात्र सभा तथा एनएसयूआई के छात्र जानबूझकर जर्जर भवन को मरिजद बताकर नमाज अदा करने की जिद पर अड़े हैं। एबीवीपी का आरोप है कि छात्रों के इस कदम से परिसर का माहौल बिगड़ रहा है और यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा के खिलाफ है। वहीं, समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई छात्र प्रशासनिक भवन का घेराव करके नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि जर्जर घोषित



लाल बारादरी को जल्द से जल्द खोलना चाहिए। छात्र यह भी दावा कर रहे हैं कि लंबे समय से यहां धार्मिक और सामाजिक गतिविधियां होती रही हैं और इसे बंद करना छात्रों और स्थानीय समुदाय के हितों के खिलाफ है। लविवि प्रशासन ने जर्जर लाल बारादरी को क्षतिग्रस्त और असुरक्षित घोषित करते हुए इसमें प्रवेश और किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने भवन के चारों ओर चेतावनी होर्डिंग लगाई हैं और परिसर में छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन का कहना है कि भवन की स्थिति खतरनाक है और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए यह कदम आवश्यक था। छात्र नेताओं ने प्रशासन के फैसले पर कई सवाल उठाए। उनका कहना है कि लाल बारादरी के संरक्षण के लिए सरकार की ओर से विश्वविद्यालय को दी गई राशि का अब तक क्या उपयोग हुआ, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। इसके अलावा, छात्रों ने प्रशासन, पुरातत्व विशेषज्ञों और छात्र प्रतिनिधियों

की एक संयुक्त समिति बनाने की मांग की, ताकि जर्जर भवन के भविष्य के संबंध में पारदर्शी और संतुलित निर्णय लिया जा सके। रविवार देर शाम तक एनएसयूआई के प्रिंस प्रकाश, अहमद रजा, विशाल कुमार और समाजवादी छात्र सभा के प्रेम प्रकाश, तौकील गाजी, नवनीत यादव सहित अन्य छात्र विरोध में धरने पर बैठे रहे। छात्रों ने लगातार नारेबाजी कर विरोध जताया और प्रशासन से बातचीत की मांग की। उनका कहना था कि प्रशासन उनकी आवाज को पर्याप्त महत्व नहीं दे रहा और उन्होंने यह कदम मजबूरी में उठाया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की हिंसक गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, एबीवीपी कार्यकर्ता लगातार यह जताने की कोशिश कर रहे थे कि विश्वविद्यालय परिसर में धार्मिक पहचान के आधार पर किसी को विशेषाधिकार नहीं दिया जाना चाहिए और इसे शैक्षणिक गरिमा बनाए रखने का

मामला बताया। एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा ने वीडियो और पोस्ट के माध्यम से जर्जर भवन को छात्रों और स्थानीय समुदाय के लिए पुनः खोलने की मांग दोहराई। ऐतिहासिक और जर्जर भवनों के संरक्षण और उपयोग में संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। विश्वविद्यालय प्रशासन को चाहिए कि वह छात्रों, पुरातत्व विभाग और स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर इस मामले का समाधान निकाले, ताकि किसी भी तरह की हिंसा या तनाव की स्थिति पैदा न हो। इस समय लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में माहौल तनावपूर्ण है, लेकिन प्रशासन और सुरक्षा बलों की सतर्कता के चलते किसी बड़े झड़प या अग्रिय घटना की संभावना फिलहाल कम बताई जा रही है। यह मामला विश्वविद्यालय प्रशासन, छात्रों और सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है और इसे सुलझाने के लिए जल्द ही उच्च स्तर पर चर्चा और वार्ता होने की संभावना है।

सोनभद्र के किरवानी गांव में मिट्टी ढहने से तीन महिलाओं की मौत, बचाव कार्य जारी

टीवी भारतवर्ष मेरठ

जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के किरवानी गांव के जंगल में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। मिट्टी की खोदाई करते समय ढीहा (मिट्टी का टीला) अचानक ढह गया, जिससे कई लोग उसमें दब गए। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास किया। सुबह साढ़े 11 बजे तक तीन महिलाओं के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान सदिकुनिषा (35) निवासी बडहोर थाना बभनी, अमीषा खातून (35) और सीता (30) निवासी किरवानी के रूप में हुई। एक अन्य महिला फूलकुमारी गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज म्योरपुर सीएचसी में चल रहा है। जानकारों के अनुसार, सोनभद्र के ग्रामीण क्षेत्रों में सफेद मिट्टी का व्यापक उपयोग होता है। सोमवार को मिट्टी लेने के लिए कुछ महिलाएं और बच्चे किरवानी गांव के जंगल में गए थे। मिट्टी खोदते समय उन्होंने सुरंग बनाकर टीले के काफी नीचे तक खुदाई की। इसी दौरान ढीहा अचानक ढह गया और महिलाएं मलबे में दब गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन की मदद से बचाव कार्य किया। म्योरपुर थाना पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता और कानूनी प्रक्रिया के तहत मुआवजा देने का आश्वासन दिया। घटना ने इलाके में सुरक्षा और मिट्टी खनन के दौरान नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीण और प्रशासन दोनों ने अब आगे इस तरह के हादसों को रोकने के लिए सतर्कता बरतने की जरूरत बताई है। बचाव कार्य अभी भी जारी है और अधिकारियों ने कहा कि अन्य दबे हुए लोगों की तलाश जारी है।

बरेली में सड़क हादसा: पेड़ से टकराई कार, तीन की मौत, चार गंभीर घायल

टीवी भारतवर्ष बरेली

बरेली के किला थाना क्षेत्र के स्वाले नगर में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब शादी समारोह से लौट रहे परिवार की कार रामपुर रोड पर सड़क किनारे लटके विशालकाय पेड़ से टकरा गई। मृतकों में रामपुर जिले निवासी खेमकरन, उनकी गर्भवती बहू मोनी और मुरादाबाद निवासी उनके रिश्तेदार रामगुलाम शामिल हैं। घायलों में गोविंद और उनका दो वर्षीय बेटा गुड्डू शामिल हैं। प्राथमिक जांच में परिवहन विभाग और पुलिस ने बताया कि हादसे की मुख्य वजह वाहन की तेज गति और ड्राइवर की झपकी लगना हो सकती है। सीसीटीवी फुटेज से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कार लगभग 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का बोनट और इंजन पेड़ की लकड़ी में घुस गया। घटना स्थल पर कोई रिफ्लेक्टर या चेतावनी संकेत नहीं था। हादसे की पृष्ठभूमि में यह भी सामने आया है कि सड़क पर पेड़ लंबे समय से खड़े थे। यह मार्ग 2017 से पहले सपा



सरकार के दौरान बनवाया गया था, लेकिन चौड़ीकरण के समय इन पेड़ों को काटने की अनुमति नहीं मिली। वन विभाग और पीडब्ल्यूडी दोनों अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। स्थानीय रिटायर्ड सेना अधिकारी मेजर रहमत हुसैन ने बताया कि एक माह पहले भी इसी पेड़ से डीसीएम टकरा गई थी, जिसमें लोग घायल हुए थे। सड़क हादसे की जांच के लिए क्रेन इंवेस्टिगेशन कमेटी बनाई गई है। इसमें परिवहन विभाग, पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस के अधिकारी शामिल हैं। जांच में वाहन का प्रकार, एयरबैग की स्थिति, सड़क की स्थिति और अन्य 37 बिंदुओं पर समीक्षा की जाएगी। रिपोर्ट दस दिनों में उच्चाधिकारियों को सौंप दी जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने 6,650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन एमओयू किए 20 हजार रोजगार सृजित होंगे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर दौरे पर हैं। दौरे के पहले दिन ही यूनियर्सल सक्सेस ग्रुप ने प्रदेश में कुल 6,650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये निवेश हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से प्रदेश में 20 हजार से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। सीएम योगी ने निवेशकों को प्रदेश की नीतिगत स्थिरता, बेहतर कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक ढांचे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समूह को डेटा सेंटर स्थापना के लिए लखनऊ आने का भी आमंत्रण दिया और भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित टाउनशिप विकसित की जाएगी। इस परियोजना में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह परियोजना 2027 में शुरू होने की संभावना है। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसमें 650 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे करीब 7,500 लोगों को रोजगार सृजित होंगे। परियोजना 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा, नोएडा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क स्थापित होगा। इस परियोजना में 2,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह परियोजना 2028 में शुरू होने की संभावना है। योगी



प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन
गन्ना, चीनी, खाद्यान्न, आम, दुग्ध, आलू, शीरा उत्पादन में अग्रणी



करके दिखाए जो डबल इंजन सरकार है वो

UPGovtOfficial CMOUTtarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश